हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, सोमवार 8 जून 2026

तापमान
अधिकतम 40 .3 डिग्री
न्यूनतम 25 .4 डिग्री

9 श्री वैष्णो माता मंदिर में सुंदरकांड पाठ

10 विकास एवं नवीन शिक्षण पद्धतियों के टिप्स दिए

खबर संक्षेप

महिला व बेटी संदिग्ध हालात में लापता

खरखौदा। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला की शिकायत पर उसकी विवाहित बेटी और दो वर्षीय नातिन के लापता होने का मामला दर्ज किया गया है। महिला ने पुलिस को बताया कि उसकी बेटी कुछ दिनों से मायके आई हुई थी। 5 जून को वह अपनी बेटी और दो वर्षीय बच्ची को खरखौदा बस अड्डे से ससुराल जाने के लिए बस में बैठाकर आई थी, लेकिन दोनों ससुराल नहीं पहुंचीं। परिजनों ने रिश्तेदारों और परिचितों के यहां तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। महिला ने बताया कि उसकी बेटी का मोबाइल फोन भी बंद आ रहा है। लापता महिला की उम्र करीब 28 वर्ष है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बाइक सवार महिला की चेन झपटकर फरार

गन्नौर। न्यू बसंत विहार में बाइक सवार दो युवकों ने एक महिला से सोने की चेन झपट ली। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। न्यू बसंत विहार निवासी पिंकी ने पुलिस को बताया कि वह रविवार सुबह मंदिर से स्कूटी पर घर लौटी थी। घर के बाहर काले रंग की बाइक पर आए दो युवकों ने उससे मार्केट का रास्ता पूछा। जब वह उन्हें रास्ता बताने लगी तो एक युवक ने उसके गले से करीब डेढ़ तोला सोने की चेन झपट ली। घटना के बाद महिला ने शोर मचाया और पीछा करने का प्रयास किया, लेकिन आरोपी फरार हो गए।

खेत से सामान चोरी करने के आरोपी काबू

गोहाना। थाना बरोदा पुलिस ने खेत से इन्वर्टर, बैट्री और गैस सिलेंडर चोरी के मामले में दो और आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान गांव मिर्जापुर खेड़ी निवासी संदीप उर्फ सैंडी और उत्तम के रूप में हुई है। गांव मिर्जापुर खेड़ी निवासी जितेंद्र ने 20 मई को शिकायत दी थी कि उसके खेत में बने कोठड़े से इन्वर्टर, बैटरी और गैस सिलेंडर चोरी हो गए थे। जांच के दौरान पुलिस टीम ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें एक दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया।

शहर में लग रहे अघोषित कट : खपत 1.61 करोड़ यूनिट पहुंची

पारा चढ़ा तो बढ़ा बिजली लोड, एक हफ्ते में 43 लाख यूनिट बढ़ी खपत

अधिक लोड के कारण कई स्थानों पर फाल्ट की समस्या भी सामने आ रही

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी और भीषण गर्मी के चलते जिले में बिजली की मांग तेजी से बढ़ रही है। मांग बढ़ने के साथ ही शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में अघोषित बिजली कटौती की शिकायतें भी बढ़ गई हैं। उपभोक्ताओं को दिन के साथ-साथ रात में भी बिजली कटौती का सामना करना पड़ रहा है। एक ओर बिजली निगम निर्बाध आपूर्ति के दावे कर रहा है, वहीं दूसरी ओर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में 6 से 7 घंटे तक लग रहे अघोषित कट लोगों की परेशानी बढ़ा रहे हैं। बिजली निगम के आंकड़ों के अनुसार केवल एक सप्ताह में जिले की दैनिक बिजली खपत में करीब 43 लाख यूनिट की बढ़ोतरी हुई है। बढ़ती गर्मी के कारण एसी, कूलर और पंखों का उपयोग बढ़ने से बिजली व्यवस्था पर दबाव बढ़ गया है। अधिक लोड के कारण कई स्थानों पर फाल्ट की समस्या भी सामने आ रही है।

ऐसे बढ़ रहा तापमान

विशेषज्ञों के अनुसार एक सप्ताह के दौरान जिले के अधिकतम तापमान में करीब 5 डिग्री और न्यूनतम तापमान में 4 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि दर्ज की गई है। रविवार को अधिकतम तापमान 40.3 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार आगामी दिनों में तापमान में और बढ़ोतरी संभव है। ऐसे में मानसून आने तक बिजली मांग में कमी आने की संभावना नहीं है।

सोनीपत। गीता भवन चौक पर गर्मी के चलते मुंह पर कपड़ा ढककर जाती युवतियां।

बिजली लाइनों पर दबाव

करीब एक सप्ताह पहले जिले का तापमान सामान्य से कम रहने के कारण बिजली खपत घटकर 1 करोड़ 18 लाख यूनिट प्रतिदिन के आसपास रह गई थी, लेकिन अब यह बढ़कर 1 करोड़ 61 लाख यूनिट से अधिक पहुंच गई है। बढ़ते लोड के कारण ट्रांसफार्मरों और बिजली लाइनों पर दबाव बढ़ रहा है, जिससे फाल्ट और कटौती की घटनाएं भी बढ़ रही हैं।

रोजाना 700 शिकायतें पहुंच रहीं केंद्रों पर

बढ़ते लोड के कारण जिले में जगह-जगह बिजली फाल्ट की समस्या सामने आ रही है। इसके चलते बिजली निगम के शिकायत केंद्रों पर प्रतिदिन करीब 700 शिकायतें दर्ज हो रही हैं। जिले में करीब साढ़े चार लाख बिजली उपभोक्ता हैं। अधिकारियों के अनुसार शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए टीमों को अलर्ट मोड पर रखा गया है। जहां फाल्ट आने की सूचना मिल रही है, वहां बिजली निगम की टीमें मौके पर पहुंचकर बिजली सप्लाई को ठीक कर रही है।

खेतों में भी बढ़ी बिजली की मांग

घरेलू उपभोक्ताओं के साथ-साथ अब किसानों की ओर से भी बिजली आपूर्ति बढ़ाने की मांग की जा रही है। खरीफ सीजन शुरू होने के साथ किसानों को धान की पौध तैयार करने और सिंचाई के लिए पर्याप्त बिजली की आवश्यकता है। किसानों का कहना है कि शाम के समय नियमित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि सिंचाई कार्य समय पर पूरा हो सके। उनका तर्क है कि दोपहर के समय सिंचाई करने से फसलों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

अतिरिक्त ट्रांसफार्मरों की व्यवस्था की गई

बढ़ती गर्मी के कारण जिले में बिजली की खपत लगातार बढ़ रही है। उपभोक्ताओं को बेहतर बिजली आपूर्ति उपलब्ध कराने के लिए विभाग पूरी तरह सतर्क है। कहीं भी समस्या आने पर कर्मचारियों को तत्काल समाधान के निर्देश दिए गए हैं। शिकायत केंद्रों पर प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जा रहा है तथा बढ़ते लोड को देखते हुए अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाने की व्यवस्था भी की जा रही है। गर्मी से उपभोक्ताओं को राहत दिलाने के लिए निगम के अधिकारी दिन-रात काम कर रहे है।
- **रणबीर सिंह देशवाल**, एक्सईएन, बिजली निगम, सोनीपत

रोडवेज बस की टक्कर से इको चालक की मौत

- लड़सौली के पास हादसा, चालक फरार
- परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ गन्नौर

लड़सौली गांव के पास रोडवेज बस की टक्कर से इको चालक की मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के भाई की शिकायत पर बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मलिकपुर गांव निवासी राजू ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका भाई ओमप्रकाश शनिवार शाम इको गाड़ी लेकर गया था। रविवार सुबह सूचना मिली कि लड़सौली गांव के पास एक तेज रफ्तार रोडवेज बस ने उसकी गाड़ी को टक्कर मार दी। हादसे के बाद बस चालक मौके से फरार हो गया। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल ओमप्रकाश को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल, सोनीपत ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने अज्ञात रोडवेज बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

खिड़की का शीशा तोड़ फ्लैट में चोरी, केस दर्ज

- अपेक्स ग्रीन सोसायटी में वारदात, चाकू से सोफे को काट गए

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

बहालगढ़ थाना क्षेत्र स्थित अपेक्स ग्रीन सोसायटी के एक फ्लैट में चोरी का मामला सामने आया है। पुलिस ने फ्लैट मालिक की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दिल्ली के प्रीतमपुरा निवासी प्रवीन गर्ग ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनका फ्लैट अपेक्स ग्रीन सोसायटी में है।

फ्लैट में रसोई का सामान और फर्नीचर रखा हुआ था। परिवार के दिल्ली में रहने के कारण फ्लैट अधिकतर समय बंद रहता है। शिकायत के अनुसार चोर फ्लैट की छत पर लगी खिड़की का शीशा तोड़कर अंदर घुसे और वहां रखा सामान चोरी कर ले गए।

आरोपितों ने सोफा और डबल बेड की गद्दी को भी चाकू से क्षतिग्रस्त कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपितों की पहचान के प्रयास तेज कर दिए हैं।

पारिवारिक विवाद में घर में घुसकर हमला

- नैना ततारपुर में रॉड और लाठियों से मारपीट का आरोप में चार लोगों पर केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

गांव नैना ततारपुर में पारिवारिक विवाद के चलते घर में घुसकर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। मोहाना थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जान से मारने की धमकी

गांव निवासी ओमबीर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 4 जून की रात करीब आठ बजे वह खेत से काम कर घर लौटे थे और चारपाई पर आराम कर रहे थे। आरोप है कि इसी दौरान उनका भाई राजबीर अपने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ घर में घुस आया। सभी के हाथों में लोहे की रॉड और लाठियां थीं। शिकायतकर्ता के अनुसार आरोपितों ने उन पर हमला कर दिया, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। मारपीट के बाद आरोपित जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। घायल ओमबीर को पहले नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया, बाद में परिजनों ने उन्हें निजी अस्पताल में दाखिल करा दिया। पुलिस के अनुसार घटना के बाद टीम बयान दर्ज करने अस्पताल पहुंची थी, लेकिन उस समय घायल बयान देने की स्थिति में नहीं था। बाद में बयान मिलने पर पुलिस ने चार आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। शिकायतकर्ता के शरीर पर पांच चोटें होने की बात सामने आई है।

विवाद खत्म, रणदीप दहिया फिर बने धर्मार्थ गोशाला सिसाना के प्रधान

- रामफल दहिया मटिंडू को उपप्रधान तथा बलवान उर्फ बल्ले पहलवान रोहणा को संरक्षक नियुक्त

खरखौदा। धर्मार्थ गऊशाला सिसाना में प्रधान पद को लेकर चल रहे विवाद का समाधान करते हुए रणदीप दहिया को सर्वसम्मति से पुनः प्रधान चुना गया। यह निर्णय पूर्व कार्यकारी अभियंता धर्मवीर दहिया की अध्यक्षता में आ यो जि त पंचायत में लिया गया। गौरतलब है कि पिछली पंचायत में तीन व्यक्तियों को प्रधान घोषित किए जाने के बाद विवाद की स्थिति बन गई थी। विवाद के समाधान के लिए आयोजित पंचायत में तीन में से दो दावेदार उपस्थित रहे। पंचायत ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत 11 सदस्यीय समिति का गठन किया, जिसमें अजय मोरखेड़ी, रामेश्वर समचाना, राजबीर झरोठ, देवेंद्र रोहणा, सुधीर मटिंडू, अशोक सिसाना, पवन गढ़ी सिसाना, चांद पहलवान, जितेंद्र रोहणा, लतेश दहिया और पूर्व सरपंच राज सिंह खांडा को शामिल किया गया। समिति ने विचार-विमर्श के बाद निवर्तमान प्रधान रणदीप दहिया के नाम पर सहमति जताई। साथ ही रामफल दहिया मटिंडू को उपप्रधान तथा बलवान उर्फ बल्ले पहलवान रोहणा को संरक्षक नियुक्त किया गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का पगड़ी बांधकर सम्मान किया गया। पंचायत ने प्रधान, उपप्रधान और संरक्षक को सचिव तथा कोषाध्यक्ष के मनोनयन का अधिकार भी प्रदान किया। अपने संबोधन में धर्मवीर दहिया ने कहा कि अब गौशाला के कार्यों में किसी प्रकार की बाधा बर्दाश्त नहीं की जाएगी और आवश्यकता पड़ने पर प्रशासनिक सहयोग लिया जाएगा।

खरखौदा। पदाधिकारियों को सम्मानित करते मौजिज व्यक्ति।

हरित भविष्य के लिए बढ़खालसा में लगाए पौधे

राई। बढ़खालसा गांव में दादा कुशल सिंह समिति की ओर से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पौधारोपण अभियान चलाया गया। कार्यक्रम का आयोजन समिति के प्रधान वीर सिंह और गांव के सरपंच राकेश कुमार के नेतृत्व में किया गया। अभियान के तहत मंदिर परिसर सहित विभिन्न स्थानों पर पौधे लगाए गए तथा उनके संरक्षण का संकल्प लिया गया। इस दौरान ग्रामीणों को अधिक से अधिक पौधे लगाने और पर्यावरण को स्वच्छ व हरित बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। सरपंच राकेश कुमार ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और पर्यावरणीय चुनौतियों को देखते हुए प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है कि वह पर्यावरण संरक्षण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करे। उन्होंने दादा कुशल सिंह समिति द्वारा समाजहित और पर्यावरण संरक्षण के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर वातावरण तैयार करने में सहायक सिद्ध होंगे। समिति के प्रधान वीर सिंह ने कहा कि पौधे जीवन का आधार हैं और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

मेयर राजीव जैन ने तैयारियों का जायजा लिया

मानसून से पहले नगर निगम अलर्ट, जलभराव रोकने के लिए डिस्पोजलों की सफाई पर फोकस

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

मानसून के दौरान शहर में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए नगर निगम ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में मेयर राजीव जैन ने रविवार को शहर के विभिन्न सीवरेज डिस्पोजलों और जल निकासी स्थलों का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मेयर ने दूषित पानी एकत्र होने वाले कुओं की सफाई, गाद निकालने तथा डिस्पोजलों पर लगी मोटरों और जनरेटरों की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि बारिश के मौसम में जल निकासी व्यवस्था बाधित न हो, इसके लिए सभी कमियों को समय रहते दूर किया जाए। ड्रेन नंबर-6 स्थित आईपीएस पर निरीक्षण के दौरान एक मोटर बंद मिली, जबकि जनरेटर की बैटरी भी नहीं पाई गई। वहीं शनि मंदिर से आईपीएस तक आने वाली बरसाती पानी की बड़ी पाइप गाद से पूरी तरह बंद मिली। मेयर ने बताया कि पाइपलाइन बिछाए जाने के बाद उसकी सफाई नहीं हुई है। उन्होंने तत्काल सफाई करवाने के निर्देश दिए। खाटू श्याम मंदिर स्थित डिस्पोजल पर टैंक से गाद निकलवाने का कार्य शुरू कराया गया। वहीं सेक्टर-23 स्थित डिस्पोजल पर बिजली कटौती की स्थिति को देखते हुए जनरेटर की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि मोटर खराब होने की स्थिति में जल निकासी प्रभावित न हो, इसके लिए दो अतिरिक्त मोटर रिजर्व में रखी जाएं।

सोनीपत। सीवरेज डिस्पोजल का निरीक्षण करते मेयर राजीव जैन।

संवेदनशील क्षेत्रों में पंप सेट उपलब्ध रखे जाएं

ओल्ड डीसी रोड स्थित डिस्पोजल पर भी टैंक में करीब पांच से छह फुट तक गाद जमा मिली, जिसे जल्द हटाने के निर्देश दिए गए। मेयर ने अधिकारियों से कहा कि शहर के संवेदनशील क्षेत्रों में पंप सेट उपलब्ध रखे जाएं और अतिरिक्त पंपों का भी स्टॉक तैयार रखा जाए, ताकि जलभराव की स्थिति में तुरंत पानी निकाला जा सके। मेयर राजीव जैन ने कहा कि तेज बारिश के दौरान दो से तीन घंटे तक पानी रुकना सामान्य बात है, लेकिन यदि पानी अधिक समय तक जमा रहता है तो उसे तुरंत निकालने के लिए प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को मानसून शुरू होने से पहले सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए।

ग्रीष्मकालीन शिविर में छात्रों ने सीखी भाषाएं

सोनीपत। राजकीय माध्यमिक विद्यालय, कालूपुर में आयोजित सात दिवसीय भारतीय भाषा ग्रीष्मकालीन शिविर का रविवार को समापन हो गया। समापन समारोह में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों और हस्तनिर्मित वस्तुओं की प्रदर्शनी के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में वार्ड-17 की पार्षद सुनीता भोला और डीडीओ सुमन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। एक से सात जून तक चले शिविर में विद्यार्थियों को हिंदी, अंग्रेजी और संस्कृत भाषा का प्रशिक्षण दिया गया। इसके साथ ही संगीत, नृत्य और रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से उनके कौशल को निखारा गया। समापन अवसर पर विद्यार्थियों ने आर्ट वर्कशॉप और बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट गतिविधियों के तहत तैयार की गई हस्तनिर्मित वस्तुओं की प्रदर्शनी लगाई, जिसे अतिथियों और अभिभावकों ने सराहा। शिविर में प्रशिक्षक पंकज ने विद्यार्थियों को निशुल्क संगीत प्रशिक्षण प्रदान किया।

टाइल बिछाने में अनियमितता का आरोप, दुकानदारों ने उठाए सवाल

- नई सब्जी मंडी के व्यापारियों ने विधायक को ज्ञापन सौंपा

खरखौदा। दिल्ली रोड स्थित नई सब्जी मंडी के पास चल रहे टाइल बिछाने के कार्य में कथित अनियमितताओं को लेकर दुकानदारों और स्थानीय निवासियों ने रोष जताया है। व्यापारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने विधायक पवन खरखौदा को ज्ञापन सौंपकर निर्माण कार्य की जांच कराने और जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग की। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि टाइलें बिछाते समय उचित लेवल का ध्यान नहीं रखा जा रहा है। इसके चलते बरसात के दौरान नई सब्जी मंडी क्षेत्र में पानी जमा हो जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह समस्या पिछले तीन-चार वर्षों से बनी हुई है और बारिश के दिनों में पूरी मंडी जलभराव की चपेट में आ जाती है।

व्यापारी कृष्ण पवार ने बताया कि बारिश के बाद लंबे समय तक पानी जमा रहने से दुकानदारों और ग्राहकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इससे व्यापारिक गतिविधियां भी प्रभावित होती हैं। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि इस संबंध में नगर पालिका अधिकारियों और एसडीएम के समक्ष भी कई बार मामला उठाया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उनका आरोप है कि टाइल बिछाने का कार्य होने के बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है। ज्ञापन सौंपने वालों में अश्वनी कुमार, अरुण कुमार, सुरेश कुमार, राहुल कुमार, रमेश कुमार, प्रदीप कुमार, संजय कुमार, दीपक तंवर, नावेद खान और आजम सहित अनेक स्थानीय नागरिक शामिल रहे।

दुकानों के आगे जमा पानी।

हरियाणवी पहनावा

हरियाणा का पारंपरिक पहनावा पुरुषों के लिए धोती, कुर्ता और पगड़ी, और महिलाओं के लिए घाघरा, चोली और चुंदड़ी है, जो राज्य की सांस्कृतिक पहचान को दर्शाते हैं। हालांकि शहरी महिलाओं और पुरुषों में अब यह पहनावा कम ही देखने को मिलता है। युवाओं में तो आधुनिक वेशभूषा का ही क्रेज हैं। स्कूल व कॉलेजों के सांस्कृतिक समारोहों में जरूर यह पारंपरिक पहनावा देखने को मिल जाता है।

सांस्कृतिक संवाहक है हरियाणा की धरती

सिंधु-सरस्वती सभ्यता का यह सबसे बड़ा केंद्र सिद्ध करता है कि आज से हजारों वर्ष पूर्व भी हरियाणा की भूमि पर एक अत्यंत विकसित, सुसंस्कृत और शांतिप्रिय नगरीय सभ्यता सांस ले रही थी, जिसकी सांस्कृतिक निरंतरता और जीवन मूल्य कभी खंडित नहीं हुए।

महिमा

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

भारत के उत्तर-पश्चिम में स्थित हरियाणा की पावन धरा केवल एक भौगोलिक भू-भाग मात्र नहीं है, बल्कि यह सनातन भारतीय सभ्यता, संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना की आदि-संस्थापक है। वैदिक ऋचाओं के प्रथम गुंजन से लेकर महाभारत के महासंग्राम तक और योगेश्वर श्रीकृष्ण की अमर वाणी 'श्रीमद्भगवद्गीता' से लेकर आधुनिक युग के नवनिर्माण तक, इस माटी ने देश के इतिहास को केवल गति ही नहीं दी, बल्कि उसकी दिशा और दशा को भी तय किया है।

भारतीय संस्कृति के आदि-स्रोत 'ऋग्वेद' की ऋचाओं का एक बहुत बड़ा हिस्सा इसी भूमि पर साक्षात अवतरित हुआ था। वैदिक काल में 'ब्रह्मावर्त' और 'ब्रह्मर्षि देश' के नाम से पूजित यह क्षेत्र देव-निर्मित माना गया। मनुस्मृति के द्वितीय अध्याय के सत्रहवें श्लोक का यह उद्घोष इसी पावन धरा की महिमा गाता है, जो पवित्र नदी सरस्वती और दृशद्वती के मध्य स्थित थी:

स्रवन्ती यत्र चक्रतुर्देवता निर्मितं नदौ।
तद्देवनिर्मितं देशं ब्रह्मावर्तं प्रचक्षते॥

आज भू-गर्भीय परिवर्तनों के कारण सरस्वती नदी भले ही विलीन हो चुकी हो, परंतु प्राचीन काल में यह केवल जल की धारा नहीं, बल्कि ज्ञान, विज्ञान और अध्यात्म की अविरल वाहिका थी। इसी के तट पर बैठकर महर्षि वेदव्यास ने वेदों का संकलन किया, महाभारत ग्रंथ की रूपरेखा तैयार की और पुराणों को कलमबद्ध किया। वहीं दृशद्वती के किनारों पर गूंजने वाले वैदिक यज्ञों के मंत्रों ने भारत की यज्ञ-संस्कृति और पर्यावरण के प्रति कृतज्ञता के भाव को सुदृढ़ किया। इस ऋषिकुल परंपरा को जब हम पुरातात्विक साक्ष्यों के तराजू पर तौलते हैं तो हिसार का राखीगढ़ी अपनी विशालता के साथ सामने आता है। सिंधु-सरस्वती सभ्यता का यह सबसे बड़ा केंद्र सिद्ध करता है कि आज से हजारों वर्ष पूर्व भी हरियाणा की भूमि पर एक अत्यंत विकसित, सुसंस्कृत और शांतिप्रिय नगरीय सभ्यता सांस ले रही थी, जिसकी सांस्कृतिक निरंतरता और जीवन मूल्य कभी खंडित नहीं हुए। वैदिक काल की यह ज्ञान-परंपरा जब उत्तर-वैदिक और महाकाव्य काल में प्रवेश करती है तो हरियाणा का 'कुरुक्षेत्र' पूरे आर्यावर्त का वैचारिक और आध्यात्मिक केंद्र बनकर उभरता है। महाभारत का युद्ध भूमि के एक टुकड़े के लिए लड़ा गया महज दो परिवारों का संघर्ष नहीं था, बल्कि वह न्याय और अन्याय, धर्म और अधर्म के बीच उपजा एक वैश्विक वैचारिक महामंथन था। इसी 'धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र' की ऐतिहासिक माटी पर ज्योतिसर नामक स्थान पर जब अर्जुन अपनों के मोह में फंसकर कर्तव्यविमुख होने लगे, तब भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें जो पावन उपदेश दिया, वह 'श्रीमद्भगवद्गीता' के रूप में युगों-युगों के लिए अमर हो गया। महाभारत के वनपर्व के अंतर्गत कुरुक्षेत्र महात्म्य में इस भूमि की पावनता को याद करते हुए यहां तक कहा गया है:

ततो गच्छेत राजेन्द्र कुरुक्षेत्रं समन्ततः।
पांसवोऽपि कुरुक्षेत्रे वायुना समुदाहृताः।
अपि दुष्कृतकर्माणं नयन्ति परमां गतिम्॥

अर्थात कुरुक्षेत्र की उड़ती हुई धूल भी यदि वायु के झोंके से किसी पापी को छू जाए तो उसे परम गति की ओर ले जाती है। आत्मा की अमरता का दर्शन व्यक्ति को काल के भय से मुक्त करता है, तो समत्व का भाव समाज में समरसता, संवेदनशीलता और सह-अस्तित्व की मजबूत नींव रखता है। हरियाणा की सांस्कृतिक आत्मा को समझने के लिए यहाँ के सीधे-सरल रहन-सहन, खान-पान और अनूठी जीवन-शैली को देखना आवश्यक है।

यह एक ऐसी संस्कृति है जो सादगी और पौरुष के मजबूत स्तंभों पर टिकी है। यहाँ का समाज मुख्य रूप से कृषि और पशुपालन से जुड़ा रहा है, जिसका सीधा प्रभाव यहाँ की दिनचर्या पर दिखाई देता है। यहाँ की 'चौपाल' केवल एक बैठने की जगह नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण लोकतंत्र, न्याय और भाईचारे की एक जीवंत संस्था रही है, जहाँ बड़े-से-बड़े सामाजिक फैसले आपसी सहमति से सुलझा लिए जाते हैं। इसी सादगी और शुद्धता का प्रतिबिंब यहाँ के खान-पान में भी झलकता है। हरियाणा के इस सीधे-सरल, समृद्ध और सात्विक वातावरण को रेखांकित करते हुए कहा गया है:

देशां में देश हरियाणा, जीत दूध-दही का खाणा।

यह पंक्ति यहां की केवल खान-पान की आदत को नहीं, बल्कि उस संपन्न और निश्छल ग्रामीण जीवन-दर्शन को दर्शाती है, जहाँ दूध, दही, छाछ, घर का निकाला हुआ मक्खन और चूल्हे की तपी हुई बाजरे या गेहूं की रोटियां मुख्य आहार हैं। 'खांड-बूरा' और 'लस्सी' से होने वाला अतिथि सत्कार यहाँ के लोगों के बड़े और उदार दिल का परिचय देता है। इस धरा की पारम्परिक वेशभूषा और आभूषण भी यहाँ की लोक-संस्कृति की एक अमूल्य धरोहर हैं। पुरुषों का परिधान जहाँ उनकी मर्यादा और पौरुष का प्रतीक है, वहीं महिलाओं की वेशभूषा यहाँ के लोक-जीवन के चटकीले रंगों को समेटे हुए है। इस अनूठे रहन-सहन और पहनावे को जो तत्व सबसे अधिक जीवंत और मुखर बनाता है, वह है यहाँ की 'बोली'। हरियाणवी बोली को अक्सर लोग दूर से देखने पर खड़ी या कड़क मान लेते हैं, लेकिन इसके भीतर जो अपनापन, हाजिरजवाबी और निश्छल हास्य छुपा है, वह अद्भुत है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता इसकी निडरता और स्पष्टवादिता है। हरियाणवी जनमानस जो दिल में रखता है, वही जुबान पर लाता है। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का अर्थ केवल सीमाओं की रक्षा नहीं, बल्कि अपनी इसी जीवन-पद्धति, बोली, लोक-कलाओं और नैतिक मूल्यों के प्रति अगाध निष्ठा है। इस मोर्चे पर हरियाणा के लोक-साहित्य और 'सांग' व 'रागनी' परंपरा ने अद्भुत कार्य किया है। यहाँ के लोक-कलाकारों ने केवल मनोरंजन नहीं किया, बल्कि ग्रामीण अंचलों में समाज-सुधार, राष्ट्र-प्रेम और नैतिक चेतना की अलख जगाई। सांग परंपरा के सिरमौर दीपचंद बामण ने जहाँ प्रथम विश्वयुद्ध के संक्रमण काल में अपनी कला से युवाओं के भीतर राष्ट्र-रक्षा का जज्बा फूंका, वहीं हरियाणा के सूर्यकवि पंडित लखमीचंद ने वेदों, उपनिषदों और पुराणों के गूढ़ ज्ञान को अपनी सरल लोक-वाणी में ढालकर गाँव-गाँव के आम जनमानस तक पहुँचा दिया। उनकी रागनियों में बहने वाली गुरु-महिमा, सदाचार और अध्यात्म की रसधार ने समाज को बिखरने से बचाया। इसी गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए अनेक मनीषियों ने अपनी सुरीली और गंभीर लेखनी से ग्रामीण अंचलों में सामाजिक समरसता, मानवीय मूल्यों और दार्शनिक चेतना को जीवित रखा। भौगोलिक रूप से भारत के उत्तर-पश्चिमी द्वार पर स्थित होने के कारण, हरियाणा को सदैव विदेशी आक्रांताओं के पहले प्रहार को झेलना पड़ा था। खैबर और बोलन दर्रों को पार कर दिल्ली की सल्तनत पर आँख गड़ाने वाले हर हमलावर का रास्ता हरियाणा के मैदानों से ही होकर गुजरता था। यही कारण है कि यहाँ का इतिहास निरंतर संघर्षों, शौर्य-गाथाओं और बलिदानों का गवाह रहा है। तराइन के मैदान में पृथ्वीराज चौहान का विदेशी आक्रमणकारियों से लोहा लेना हो या पानीपत की तीन ऐतिहासिक लड़ाइयाँ, इस माटी ने बार-बार भारत के भाग्य के फैसले होते देखे हैं। विशेषकर पानीपत के तीसरे युद्ध में, जब अहमद शाह अब्दाली के खिलाफ भारत की संप्रभुता को बचाने के लिए मराठे उत्तर भारत की ओर बढ़े तो हरियाणा के स्थानीय जनमानस ने रोटी और शरण देकर उनका साथ दिया। इसी सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का प्रखर रूप सन 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में देखने को मिला, जब अंबाला छावनी से उठी क्रांति की चिंगारी ने पूरे हरियाणा को अपनी चपेट में ले लिया। रेवाड़ी के राजा राव तुलाराम, झज्जर के नवाब अब्दुल रहमान खान और बल्लभगढ़ के राजा नाहर सिंह जैसे नायकों ने मजहब और जाति की दीवारें ढहाकर फिरंगियों के खिलाफ साझा मोर्चा खोला। नसीबपुर (नारनौल) के मैदान में हजारों हरियाणवी वीरों का अपनी माटी और देश की आजादी के लिए हंसते-हंसते प्राण न्योछावर कर देना इस बात का अमिट प्रमाण है कि यह संस्कृति गुलामी की जंजीरों को कभी स्वीकार नहीं कर सकती। 1 नवंबर 1966 को एक स्वतंत्र राज्य के रूप में स्थापित होने के बाद हरियाणा ने प्रगति और परंपरा का एक ऐसा अनूठा समन्वय पेश किया है] जो पूरे देश के लिए मिसाल है। देश के कुल क्षेत्रफल का मात्र 1.3 प्रतिशत होने के बावजूद, हरियाणा आज देश के केंद्रीय अन्न भंडार में दूसरा सबसे बड़ा योगदानकर्ता है। 'जय जवान, जय किसान' के नारे को पूरी तरह चरितार्थ करते हुए जहाँ इस राज्य का हर दूसरा परिवार देश की सीमाओं पर सजग प्रहरी बनकर खड़ा है, वहीं खेल के मैदानों में भी हरियाणा ने वैश्विक पटल पर भारत का मस्तक हमेशा ऊँचा किया है।

आज समय की मांग है साहित्य का प्रामाणिक और वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण किया जाए ताकि भावी पीढ़ी अपनी जड़ों से कटी न रहे। ग्रामीण अंचलों के ऐतिहासिक स्थलों, पारम्परिक पहनावे के हुनर और लोक-कवियों की स्मृतियों को संजोना इस सांस्कृतिक यात्रा को जीवंत रखने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

इस तीव्र गति वाले डिजिटल और वैश्विक युग में, जहाँ आधुनिकता की चकाचौंध में कई संस्कृतियाँ अपनी पहचान खो रही हैं, हरियाणा के सामने भी अपनी मूल भाषाई शुद्धता और लोक-परंपराओं को अक्षुण्य रखने की एक बड़ी चुनौती है। आज समय की मांग है साहित्य का प्रामाणिक और वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण किया जाए ताकि भावी पीढ़ी अपनी जड़ों से कटी न रहे। ग्रामीण अंचलों के ऐतिहासिक स्थलों, पारम्परिक पहनावे के हुनर और लोक-कवियों की स्मृतियों को संजोना इस सांस्कृतिक यात्रा को जीवंत रखने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

रागिनी **सत्यवीर नाहड़िया**

दूध-दही घी आळे चरचे

दूध-दही घी आळे चरचे, हरियाणा में खोग्ये।
लांबे-तगड़े छैल-गाभरू, दास नसे के होग्ये।।

कदे उड़ै पंजाब घणा था,उड़ता इब हरियाणा।
गाम-गळी अर नगर-डगर म्हं,हुया नसे का छाणा।
पाउच-पुड़िया पीणा-खाणा,बीज बिघन के बोग्ये।
लांबे-तगड़े छैल-गाभरू दास नसे के होग्ये।।

एक बखत का यो हरियाणा, था दूध-दही का प्याल्ला।
ब्या-ठिच्चे पै ल्हुक-छिप कोये, घेट करै था आल्ला।
नयी प्योध का न्यारा माल्ला,झूम नसे म्हं सोग्ये।
लांबे-तगड़े छैल-गाभरू, दास नसे के होग्ये।।

नसा नास की जड़ हो सै न्यूँ,म्हारे बड़े बतावैं।
नसे-जाळ म्हं जो रै फँस ज्याँ,सहज छूट ना पावैं।
कोय भूल कै ना फँस ज्यावैं,अंत टेम न्यूँ रोग्ये।
लांबे-तगड़े छैल-गाभरू, दास नसे के होग्ये।।

नसा मिटावण खात्यर आओ,मिलकै अलख जगावां।
जाग्गां दिखे जगावां सबनै,अपणा देस बचावां।
कह 'नाहड़िया' फरज निभावां, क्यूँ इज्जत वो धोग्ये।
लांबे-तगड़े छैल-गाभरू, दास नसे के होग्ये।।

कविता **राजपाल सिंह गुलिया**

आच्छी नहीं लड़ाई

रोज-रोज थम लड़ो भिड़ो सौ ,याह तै आच्छी बात नहीं ,
बाताँ तैं ए बात बणैगी , बात याह वाहियात नहीं .

घणी कुभद आच्छी ना हो, फल देर सवेर मिल ज्यागा,
शेर बणया हाँडै एक दिन, तनै सवा सेर मिल ज्यागा.
प्रेम- प्यार का भाव इसा हो, देखै जो औकात नहीं.

तोड़ बात का हो बाताँ तैं , याह आच्छी नहीं लड़ाई ,
बैरा ना किस पै जाकै याह , उतरै किसकी करड़ाई .
आँधी हो सै गोळी लोगो, करती कती दुभात नहीं.

झोट्टे - झोट्टे लड़ैं उड़ै इन , झाड़ाँ का ए खो हो सै.
मारे जाँ सैं लोग सहम ये ,किस मुखिया का के हो सै.
समझदार हो माणस तै हरगिज , होता उत्पात नहीं.

देख लड़ाई म्हं देसाँ के, किसे सींग से फँसरे सैं,
माल मरे का चाहैं सारे , कती लोभ म्हँ धँसरे सैं.
हुए बिचौले 'गुलिया' वो भी ,जिनकी जात जमात नहीं.

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

आचरण **खेल के मैदान में पसीना बहाने या पढ़ाई करने के बजाय रील्स बनाने में अपना कीमती समय बर्बाद कर रहे युवा**

लोक संस्कृति में बढ़ता बाजारीकरण

मंथन

सरिता

हरियाणा की इस ऐतिहासिक धरती का इतिहास भी अपनी अनूठी संस्कृति की वजह से बहुत समृद्ध रहा है। यहाँ के खेतों की खुशबू, चौपालों की रौनक और हमारे बुजुर्ग कलाकारों की तान ने हमेशा पूरे समाज को आपस में जोड़कर रखा है। लेकिन आज के डिजिटल दौर में, जहाँ हर तरफ इंटरनेट और सोशल मीडिया का असर है, हरियाणा का यह ताना-बाना एक बड़े संकट से घिर गया है। जिस लोक संस्कृति का मकसद लोगों का मनोरंजन करने के साथ-साथ समाज को अच्छी सीख देना था, आज वह बाजार के लालच और अश्लीलता की भेंट चढ़ती जा रही है।

यूट्यूब और इंस्टाग्राम रील्स पर व्यूज और लाइक्स पाने की इस होड़ ने हमारी संस्कृति की मूल भावना को बहुत ठेस पहुँचाई है। हरियाणा की लोक संस्कृति की जड़ें बहुत गहरी थीं। यहाँ की सांग परंपरा केवल टाइमपास का साधन नहीं थी। यह खुली चौपालों में होने वाला एक ऐसा नाटक था जो लोगों को सच, ईमानदारी और त्याग का रास्ता दिखाता था। इसी तरह रागनियों से जीवन के गहरे सच और सामाजिकता से परिचय होता था। हमारे अपने वीरों के किस्से युवाओं में देशप्रेम और आपसी भाईचारे का जोश भरते थे और भजनों के जरिए समाज

की बुराइयों पर चोट की जाती थी। जब से सबके हाथ में स्मार्टफोन और सस्ता इंटरनेट आया है, चीजें बहुत बदल गई हैं। इसने जानकारी तो सब तक पहुँचाई, लेकिन साथ ही हमारी संस्कृति में एक तरह का प्रदूषण भी फैला दिया है। यूट्यूब और रील्स के इस दौर ने लोक संस्कृति को रातों-रात बाजार में बिकने वाला सामान बना दिया है। आज कोई गाना या कला कितनी अच्छी है, यह इस बात से तय नहीं होता कि उसमें कितनी गहरी बात कही गई है, बल्कि इस बात से तय होता है कि वह कितनी जल्दी इंटरनेट पर वायरल हो सकती है। इस चक्कर में जो कलाकार सचमुच अच्छा और साफ-सुथरा काम करना चाहते हैं, उन्हें लोग भूलते जा रहे हैं, जबकि सनसनी फैलाने वाले या भड़काऊ चीजें परोसने वाले लोग रातों-रात स्टार बन रहे हैं। पैसे कमाने की इस अंधी दौड़ ने हमारी संस्कृति के असली चेहरे को बिगाड़ दिया है। आजकल के हरियाणवी गानों और वीडियो में अश्लीलता का बढ़ना सबसे चिंता की बात है। पारंपरिक सादगी को छोड़कर अब गानों में सिर्फ दिखावे और अंग-प्रदर्शन को बढ़ावा दिया जा रहा है। दोहरे अर्थ वाले शब्द और भद्दे इशारों वाले ये गाने आज शादियों, पार्टियों और गाड़ियों में आम बजते सुनाई देते हैं। इससे धीरे-धीरे समाज में इस तरह की अश्लीलता को एक सामान्य बात माना जाने लगा है, जो कि बहुत खतरनाक है। इसके साथ ही गानों में बंदूकों, हथियारों और बदमाशी को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने का एक नया चलन शुरू हो गया है। आज के ज्यादातर मशहूर गानों में नायक को कानून तोड़ते, हथियार लहराते और लड़ाई-झगड़ा करते दिखाया जाता है। बदमाशी, रौब जमाना या जेल जाने को इस तरह पेश किया जाता है, जैसे यही असली नायक हो। यह बात सीधे तौर पर हमारी कानून-व्यवस्था को नुकसान पहुँचाती है और कम उम्र के बच्चों के दिमाग पर बहुत बुरा असर डाल रही है। इससे युवाओं में गुस्सा और अपराध की भावना बढ़ रही है। एक और दुखद बात यह है कि हरियाणा का समाज हमेशा से 'छत्तीस बिरादरी' के भाईचारे के लिए जाना जाता था, जहाँ सांग देखने के लिए हर वर्ग के लोग एक साथ चौपाल पर बैठते थे। लेकिन आज के गानों और सोशल मीडिया ने इस आपसी भाईचारे को भी चोट पहुँचाई है। अब खास जातियों के नाम पर गाने बनाए जा रहे हैं, जिनमें खुद की जाति को सबसे ऊपर और दूसरों को नीचा दिखाने की कोशिश होती है। ऐसे गाने युवाओं के दिलों में एक-दूसरे के प्रति नफरत और दूरी पैदा कर रहे हैं। इन गानों के नीचे इंटरनेट पर लोग एक-दूसरे को गालियाँ देते नजर आते हैं, जो हमारे शांतिपूर्ण समाज के भविष्य के लिए अच्छा नहीं है। हम जैसा देखते और सुनते हैं, धीरे-धीरे हमारे संस्कार और व्यवहार भी वैसे ही होने लगते हैं। जब युवा दिन-रात फोन पर अश्लीलता, हथियार और जातिवाद देखेंगे, तो उनका पढ़ाई, मेहनत और अच्छे मूल्यों से भरोसा उठने लगता है। खेल के मैदान में पसीना बहाने या पढ़ाई करने के बजाय वे रातों-रात मशहूर होने के लिए खतरनाक रील्स बनाने में अपना कीमती समय बर्बाद कर रहे हैं। ये चीजें उन्हें नशे और गलत संगति की तरफ भी धकेल रही हैं। ऐसी चिंतनीय स्थिति में हमें मिलकर कुछ जमीनी और व्यावहारिक कदम उठाने होंगे। आज अपनी वास्तविक परम्पराओं को सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं के बीच रखना होगा ताकि नई पीढ़ी को पता चल सके कि हमारी असल संस्कृति क्या है। नफरत और अश्लीलता फैलाने वाले वीडियो पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में हमारे पुराने वाद्य यंत्रों को दोबारा जगह मिलनी चाहिए और साफ-सुथरी रागनी प्रतियोगिताएं होनी चाहिए। हमेशा ध्यान रखें कि बच्चे फोन पर क्या देख और सुन रहे हैं।

हम जैसा देखते और सुनते हैं, धीरे-धीरे हमारे संस्कार और व्यवहार भी वैसे ही होने लगते हैं। जब युवा दिन-रात फोन पर अश्लीलता, हथियार और जातिवाद देखेंगे, तो उनका पढ़ाई, मेहनत और अच्छे मूल्यों से भरोसा उठने लगता है। खेल के मैदान में पसीना बहाने या पढ़ाई करने के बजाय वे रातों-रात मशहूर होने के लिए खतरनाक रील्स बनाने में अपना कीमती समय बर्बाद कर रहे हैं।

बदलाव और आधुनिकता से कोई परहेज नहीं होना चाहिए, लेकिन अपनी जड़ों को भूलकर तो आगे नहीं बढ़ा जा सकता। हमें अपने बच्चों को दोबारा चौपाल की संस्कृति और बुजुर्गों की सीख से जोड़ना होगा। अगर आज हमने बाजार की चकाचौंध में अपनी इस विरासत को खो दिया, तो हम अपनी पहचान खो देंगे।

अभिनय क्षेत्र में निष्ठा व समर्पण के साथ करें कार्य : राम नारायण

कलाकार

डॉ. तबस्सुम जहां

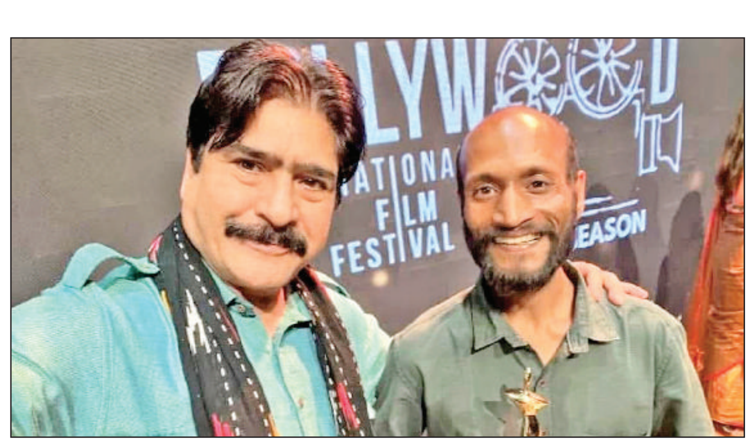

हरियाणा में रंगमंच की स्थिति अभी भी अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंची है। पिछले आठ-दस वर्षों में हरियाणवी सिनेमा ने इस क्षेत्र को कुछ हद तक संभाला अवश्य है, लेकिन वास्तविक हरियाणवी संस्कृति की झलक अभी भी सीमित रूप में दिखाई देती है। केवल हरियाणवी बोली बोलने से संस्कृति का संरक्षण नहीं होता। उसके मूल मूल्यों, परंपराओं और जीवन शैली को भी प्रस्तुत करना आवश्यक है। संभावनाए तो बहुत हैं, लेकिन उन्हें सही दिशा में आगे बढ़ाने की आवश्यकता है।

संघर्षों की आग में तपकर ही कलाकार अपनी वास्तविक पहचान बनाता है। हरियाणा की सांस्कृतिक धरती से निकलकर रंगमंच, फिल्मों और वेब सीरीज़ तक का सफर तय करने वाले राम नारायण ऐसे ही कलाकार हैं, जिन्होंने सीमित संसाधनों और अनेक चुनौतियों के बावजूद अपनी प्रतिभा और समर्पण के बल पर अभिनय जगत में एक विशिष्ट स्थान बनाया है।

उनका जीवन संघर्ष, कला और निरंतर सीख की प्रेरणादायक कहानी प्रस्तुत करता है। रंगमंच से अपने अभिनय सफर की शुरुआत करने वाले राम नारायण ने समय के साथ फिल्म और डिजिटल माध्यमों में भी अपनी सशक्त पहचान स्थापित की। उन्होंने दूरदर्शन के लिए प्रौढ़ शिक्षा पर आधारित एक फिल्म तथा इग्नू के नर्सिंग कोर्स पर डॉक्यूमेंट्री में काम किया। उन्होंने राजू पंजाबी के लोकप्रिय गीत 'हरियाणा तो बदल गया' के साथ-साथ 'बूमरेंग' (कफन पर आधारित), काण्ड 2010, बवाल, कोहरा-2 और वादा जैसी परियोजनाओं में अपने प्रभावशाली अभिनय का प्रदर्शन किया है। उनके अभिनय की यह यात्रा निरंतर आगे बढ़ रही है और उनकी आगामी फिल्मों मोमाकु तथा कांडी का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। हिसार शहर में जन्मे राम नारायण चार भाई-बहनों में सबसे छोटे थे। परिवार के आर्थिक हालात इनके अनुकूल न रहे। यही कारण है कि रंगमंच को करियर बनाने पर उन्हें परिवार का अपेक्षित सहयोग नहीं मिला, फिर भी उन्होंने संघर्षों और अभावों के बीच अपने अभिनय सफर को जारी रखा। कई बार उन्हें यह कहकर बिना पारिश्रमिक काम कराया गया कि बजट नहीं है, जबकि अन्य लोगों को भुगतान किया जाता था। इस अनुभव ने उन्हें सिखाया कि कलाकार को अपनी मेहनत और कला का सम्मान करते हुए अपने काम का उचित मूल्य अवश्य लेना चाहिए। अपने थियेटर के प्रति गहरे जुड़ाव के संदर्भ में राम नारायण बताते हैं कि कक्षा 3 में उन्हें पहली बार मंच पर प्रदर्शन करने का अवसर मिला और कक्षा 6 से 10 तक वे संगीत तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सक्रिय रहे। कॉलेज के दौरान रंगमंच के प्रति उनकी रुचि और बढ़ी तथा बी.ए. के दूसरे वर्ष से उन्होंने निर्देशन और नाट्य गतिविधियों की जिम्मेदारियां संभालनी शुरू कर दीं। बाद में उन्होंने छह वर्षों तक संस्कृत नाटकों का निर्देशन किया और विभिन्न विश्वविद्यालयों के युवा महोत्सवों में नाटिका, माइम एवं स्किट प्रस्तुत कर अपनी अलग पहचान बनाई। राम नारायण ने स्टेज ऐप की 'कांड 2010' तथा और सुपवा के साथ 'चूल्हा न्यौंद' में काम किया है। मुंबई में कांड 2010 वेब सीरीज़ के लिए अवार्ड मिलने पर राम नारायण बताते हैं कि जब 'काण्ड 2010' के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता (बेस्ट स्पोर्टिंग एक्टर) का पुरस्कार मिलने की सूचना मिली, तो वह क्षण मेरे लिए अत्यंत खुशी का था। इसके अलावा इन्हें 'बूमरेंग' (कफन पर आधारित) के लिए अमेरिका के एक फिल्म समारोह में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का सम्मान प्राप्त हुआ। यह उपलब्धि आपके अभिनय जीवन की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक है। कांड 2010 वेबसीरीज़ में अपने किरदार और अनुभव के बारे में राम नारायण बताते हैं कि वर्ष 2010 में निर्देशक राजेश बब्बर द्वारा काण्ड में जगदीश के चरित्र के लिए चुना जाना उनके लिए बेहद भावुक और यादगार क्षण था। हालांकि वे पहले भी कई चुनौतीपूर्ण भूमिकाएँ निभा चुके थे, लेकिन जगदीश का चरित्र अपनी सामाजिक पृष्ठभूमि और गहरी मनोवैज्ञानिक जटिलताओं के कारण उनके लिए विशेष रहा। कैमरे के सामने और रंगमच पर अभिनय की दृष्टि से वह बड़ा अंतर मानते हैं। उनके अनुसार कैमरे के सामने काम करने का एक लाभ यह है कि आपको दृश्य दोबारा करने का अवसर मिल जाता है, लेकिन रंगमंच में ऐसा नहीं होता। यदि कोई त्रुटि रह जाए, तो उसे अगले शो में ही सुधारा जा सकता है, और अगला शो कब मिलेगा, यह निश्चित नहीं होता। हरियाणा के रंगमंच और हरियाणवी सिनेमा की वर्तमान स्थिति के संदर्भ में चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि प्रदेश में रंगमंच की स्थिति अभी भी अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंची है। पिछले आठ-दस वर्षों में हरियाणवी सिनेमा ने इस क्षेत्र को कुछ हद तक संभाला अवश्य है, लेकिन वास्तविक हरियाणवी संस्कृति की झलक अभी भी सीमित रूप में दिखाई देती है। केवल हरियाणवी बोली बोलने से संस्कृति का संरक्षण नहीं होता। उसके मूल मूल्यों, परंपराओं और जीवन शैली को भी प्रस्तुत करना आवश्यक है। संभावनाए तो बहुत हैं, लेकिन उन्हें सही दिशा में आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। यशपाल शर्मा ने दादा लखमी फिल्म बनाकर इसी विचार को आगे बढ़ाकर सफलतापूर्वक साकार किया। उभरते नए युवा कलाकारों के लिए राम नारायण संदेश देते हैं कि आपने इस क्षेत्र को चुना है, तो पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करें। समय की पाबंदी रखें। जो देर से आए, उसे यह महसूस होना चाहिए कि उसने एक अवसर खो दिया है।

श्री वैष्णो माता मंदिर में सुंदरकांड पाठ, हरिनाम संकीर्तन और रामकथा का आयोजन

सती की परीक्षा से पार्वती जन्म तक रामकथा में सुनाया रोचक प्रसंग

ओपी अरोड़ा ने श्रद्धालुओं को धर्म और मर्यादा का संदेश दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

श्रीराम परिवार, सोनीपत ने कोट मोहल्ला स्थित श्री वैष्णो माता मंदिर में सुंदरकांड पाठ, हरिनाम संकीर्तन रामकथा का आयोजन किया। संस्था प्रमुख ओपी अरोड़ा ने श्रीरामचरित मानस के बालकांड में वर्णित शिव-सती प्रसंग को, माता पार्वती को शिव-पार्वती संवाद के रूप में सुनाई गई हैं, का वर्णन किया। ओपी अरोड़ा ने बताया कि जब प्रभु श्रीराम दंडकारण्य में सीता जी की खोज में विलाप कर रहे थे, तब शिव जी भी वहां उपस्थित थे। उन्होंने श्रीराम को प्रणाम किया। यह देखकर माता सती के मन में संदेह उत्पन्न हुआ कि श्रीराम साक्षात परब्रह्म हैं, तो एक स्त्री के वियोग में व्याकुल क्यों हो रहे हैं। सती के संदेह को दूर करने के लिए भगवान शिव ने उन्हें श्रीराम की परीक्षा लेने को कहा। सती ने माता का रूप धारण किया और श्रीराम के मार्ग में गई, लेकिन सर्वज्ञ श्रीराम ने उन्हें तुरंत पहचान लिया। उनके शिव और सती के प्रति उचित आदर प्रकट किया। जब सती वापस लौटीं, तो शिव जी ने उनसे पूछा कि उन्होंने कैसे परीक्षा ली। सती ने झूठ बोल दिया कि उन्होंने कोई परीक्षा नहीं ली, वह केवल माता सीता के रूप में श्रीराम के दर्शन कर रही थी। अंर्तयामी शिव जी सब सत्य जान गए, उन्होंने मन ही मन विचार किया कि अब सती के साथ उनका दांपत्य-भाव रखना उचित नहीं है, क्योंकि सती ने माता सीता का रूप धारण करके बहुत बड़ा अपराध किया था। बाद में जब सती अपने पिता दक्ष के यज्ञ में बिना बुलाए गई, जहां भगवान शिव का घोर अपमान हुआ, तो सती ने दुःखी होकर उसी कुण्ड में अपने प्राण त्याग दिए। पूर्व जन्म में शिव जी की अर्धांगिनी होने का वरदान मांगा। परिणामस्वरूप अगले जन्म में उन्होंने हिमालय के घर पार्वती के रूप में जन्म लिया। आरती एवं अमृतमय प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

सोनीपत। कोट मोहल्ला स्थित श्री वैष्णो माता मंदिर में सुंदरकांड पाठ करते श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस मौके पर शाम रहेजा, सूरजकांत, ललित बत्रा, महेश सपड़ा, राजन मनचन्दा, चंद्रकांत, रमाकांत, जतिन, अमित, मेहरचन्द, राजेंद्र, धीरज, विजय, मनोज, भूषण सहित काफी श्रद्धालु मौजूद रहे।

कृपाल आश्रम में रक्तदान शिविर एवं सत्संग आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सावन कृपाल रूहानी मिशन के तत्वावधान में संत राजिंदर सिंह महाराज की कृपा से कृपाल आश्रम, सोनीपत में रक्तदान शिविर एवं सत्संग का आयोजन किया गया। सत्संग में पानीपत से सुमित्रा ने अपने प्रवचनों से संगत को आध्यात्मिक संदेश प्रदान किया। कार्यक्रम में लगभग 520 श्रद्धालुओं एवं नागरिकों ने भाग लिया। रक्तदान शिविर की थीम के अनुरूप आश्रम परिसर को विशेष रूप से सजाया गया। आकर्षक स्वागत द्वार, सेल्फी प्वाइंट एवं स्वागत क्षेत्र का निर्माण किया गया, जिसने सभी आगंतुकों का ध्यान आकर्षित किया।

10 से 12 चिकित्सकों ने दी सेवाएं

कार्यक्रम में महापौर राजीव जैन ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए जनसेवा कार्य की सराहना की। वार्ड पार्षद संगीता भी मौजूद रही। रक्तदान शिविर में कुल 102 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। इस पुण्य कार्य में संगत के साथ शहर के अनेक नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। रक्तदान शिविर का संचालन सिविल अस्पताल, पानीपत की टीम की देखरेख में किया गया, जिसमें डॉ. रजत गुप्ता, नरेश जगलान सहित 10-12 चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं प्रदान की। सत्संग के उपरांत श्रद्धालुओं को लिए लंगर लगाया गया। रक्तदाताओं को आश्रम की ओर से प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति-चिह्न प्रदान किए गए।

भजनों से श्रीहरि का गुणगान कर पुरुषोत्तम मास का बताया महत्व

सोनीपत। इस्कॉन प्रचार समिति की ओर से पुरुषोत्तम मास के अवसर पर रविवार को शहर में हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी निकाल प्रभु गुणगान किया गया। प्रभातफेरी रोहतक रोड स्थित गोपी मंदिर में पूजन व तुलसी पूजन के साथ प्रारंभ की गई। इसके बाद शहर के विभिन्न क्षेत्रों मिर्च मंडी होते हुए प्रभु नगर में कृष्णा पांचाल के निवास पर हरिनाम संकीर्तन के साथ प्रभातफेरी संपन्न की गई। हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी का मार्ग में श्रद्धालुओं ने जगह-जगह स्वागत किया। संकीर्तन में दामोदर दास व रघु कुमार दास ने विभिन्न भजनों से श्रीहरि का गुणगान किया। दामोदर दास ने पुरुषोत्तम मास की महिमा के बारे में बताया।

गांव ललहेड़ी के युवाओं ने गोसेवा में पेश की मिसाल

गोवंश की याद में बनाई भव्य समाधि और लगाया भंडारा

गन्नौर। गोवंश (खागड़) की याद में युवाओं द्वारा बनाई गई समाधि ।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

जहां आज के दौर में लोग अपने स्वार्थों में व्यस्त हैं, वहीं गांव ललहेड़ी के युवाओं ने गोसेवा और जीवों के प्रति संवेदनशीलता की ऐसी मिसाल पेश की है, जिसकी पूरे क्षेत्र में चर्चा हो रही है। गांव के गोवंश (खागड़) को यादगार बनाने के लिए युवाओं ने सरपंच मेहर सिंह मलिक के मार्गदर्शन में भव्य समाधि का निर्माण कराया और आकर्षक सफेद पत्थर की प्रतिमा स्थापित करवाई। युवाओं की टीम ने गोवंश की स्मृति में करीब 43 हजार रुपये की लागत से सुंदर और आकर्षक सफेद पत्थर की तस्वीर बनवाकर समाधि स्थल पर स्थापित करवाई। इसके अलावा समाधि स्थल के निर्माण और सौंदर्यीकरण पर भी हजारों रुपये खर्च किए गए। श्रद्धांजलि स्वरूप विशाल भंडारे का आयोजन किया गया । युवाओं ने माना कि हिंदू धर्म में नंदी बैल भगवान शिव के परम भक्त और उनके द्वारपाल भी माने जाते हैं।

बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद किया ग्रहण

लगभग हर शिव मंदिर में शिवलिंग के सामने नंदी की प्रतिमा स्थापित होती है। श्रद्धालु नंदी के कान में अपनी मनोकामना कहकर भगवान शिव तक पहुंचाने की मान्यता रखते हैं। विशाल भंडारे में गांव और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इससे पूर्व समाधि स्थल पर वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच विशाल हवन यज्ञ का आयोजन हुआ। हवन में गांव के सरपंच मेहर सिंह मलिक, पूर्व प्रधान भानु, कूका तथा आयोजन का नेतृत्व कर रही युवाओं की टीम के सदस्य संजय मलिक उर्फ संजू, सचिन, अजय, विकास, विनोद, ढीला, संजू और अन्य ग्रामीणों ने आहुति डालकर गोवंश की आत्मा की शांति की कामना की। सरपंच मेहर सिंह मलिक ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गोवंश को विशेष स्थान प्राप्त है।

संडेज ऑन साइकिल कार्यक्रम मनाया

- विभिन्न खिलाड़ियों और विद्यार्थियों ने भाग लेकर फिट एवं स्वस्थ भारत के निर्माण का संकल्प लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। खेल विश्वविद्यालय, राई में योगाभ्यास करते प्रतिभागी जन।

भारतीय खेल प्राधिकरण (साई), चौधरी देवीलाल उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र (एनआरसी) की ओर से फिट इंडिया आंदोलन के अंतर्गत विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष्य में संडेज ऑन साइकिल कार्यक्रम का आयोजन किया। खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, खेल विज्ञान विशेषज्ञों, विद्यार्थियों, साइकिल प्रेमियों, फिटनेस उत्साहियों व स्थानीय नागरिकों ने कार्यक्रम में भाग लेकर फिट एवं स्वस्थ भारत के निर्माण का संकल्प लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह योग सत्र से किया गया। मुख्य अतिथि खेल विश्वविद्यालय, राई के कुलपति अशोक कुमार रहे। विशिष्ट अतिथि मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय, मेरठ के खेल सलाहकार एवं सेवानिवृत्त उप महानिदेशक संजय सारस्वत, आईसीएआई सोनीपत शाखा की अध्यक्ष राजेश रानी रही। अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर साइकिल रैली को रवाना किया। रैली में प्रतिभागियों ने फिटनेस, पर्यावरण संरक्षण, स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया। साई के उपनिदेशक आशीष शर्मा, सहायक निदेशक आर. माधव कृष्णन, जंक्शन फाउंडेशन साइकिलिंग ग्रुप के प्रतिनिधि अरुण मलिक मौजूद रहे।

सोनीपत। जरूरतमंदों को वस्त्र वितरित करते हुए।

जरूरतमंदों को बांटे कपड़े व घरेलू सामान

सोनीपत। सेफ इंडिया फाउंडेशन ने शनिवार को खाटूश्याम मंदिर परिसर में जरूरतमंद लोगों को नए व पुराने उपयोग योग्य कपड़े और घरेलू सामान वितरित किए। संस्था के चेयरमेन वाई. के. त्यागी और प्रधान संजय सिंगला ने बताया कि फाउंडेशन कई वर्षों से लोगों से ऐसे कपड़े और सामान एकत्र कर रहा है, जो उनके काम के नहीं रहते, लेकिन जरूरतमंद परिवारों के लिए उपयोगी होते हैं। संस्था इन वस्तुओं को गरीब और जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाने का कार्य करती है। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य जरूरतमंदों की सम्मानपूर्वक सहायता करना है। कार्यक्रम में सतीश माथुर, बलराज वशिष्ठ, अनिल गुप्ता, अविनाश सेठी, अनीता बंसल, पंकज बंसल और गणेशी सहित कई समाजसेवी मौजूद रहे। संस्था ने लोगों से आगे भी सहयोग करने की अपील की।

विद्यार्थियों को सिखाए आत्मरक्षा के गुर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

- चरित्र निर्माण एवं व्यायाम प्रशिक्षण शिविर का समापन

आर्य वीर दल सोनीपत मंडल के तत्वावधान में चल रहे सात दिवसीय चरित्र निर्माण एवं व्यायाम प्रशिक्षण शिविर का रविवार को समापन किया गया। महर्षि दयानंद सरस्वती स्मृति भवन न्यास, जोधपुर से आर्य जगत के वैदिक विद्वान आचार्य वरुणदेव के योग्य, गतिशील, प्रेरक और कुशल नेतृत्व में शिविर का संचालन एसएम हिंदू सीनियर सेकेंडरी स्कूल के सभागार में आयोजित किया गया। आचार्य दीक्षा, वीना मलिक, डॉ. वेदपाल आर्य, रविंद्र आर्य, दीपक तलवार, देवेंद्र आर्य, रमेश आर्य, महेंद्र शास्त्री, अशोक गोयल, नित्य प्रिय आर्य, प्राचार्य नताशा छाबड़ा, किरण गुप्ता ने बौद्धिक कक्षाओं से युवाओं को ईश्वर, धर्म संस्कृति, योग के स्वरूप से परिचित कराया।

आर्य वीर दल सोनीपत मण्डल के सचिव सुदर्शन आर्य ने मंच का संचालन किया। आर्य केन्द्रीय सभा सोनीपत की प्रधान आचार्या दीक्षा, आर्य वीर दल सोनीपत मण्डल के संरक्षक दयानन्द आर्य (ठरु), आर्य वीरांगना दल को नेतृत्व प्रदान करने वाली पूनम भुटानी, मुख्य सलाहकार नित्य प्रिय आर्य, मण्डलपति वेदप्रकाश आर्य ने मार्गदर्शन किया। शिविर के सात दिवसीय कार्यक्रम में आर्य वीरों ने आत्म रक्षा के उपाय और स्वस्थ प्राणायाम, दण्ड बैठक, कराटे आदि का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

न्यूज डायरी

पांचाल समाज ने मेधावियों, खिलाड़ियों और पूर्व सैनिकों को किया सम्मानित

खरखौदा। जय नारायण धर्मशाला में पांचाल समाज सेवा संघ द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।विधायक पवन खरखौदा ने बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम में शिरकत की। समारोह में पूजा ,भावना, तनिष्का ,भूपेंद्र, कनिका, प्रियंका, मनोरमा, पायल, शिवानी, गीतांजलि, मुस्कान, हर्ष, श्वेता सहित 79 प्रतिभावान विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त 11 भूतपूर्व सैनिकों, 24 बुजुर्गों, 10 विशिष्ट श्रेणी के व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए विधायक पवन खरखौदा ने कहा कि यदि व्यक्ति के भाव अच्छे हों तो उसे अपने कार्यों में सफलता अवश्य मिलती है। उन्होंने कहा कि जब भाव, नीयत और नीति तीनों अच्छी हों तो संस्कार स्वतः ही विकसित हो जाते हैं। इस अवसर पर मुकेश सैनी, सुनील पांचाल, दिनेश ठेकेदार, प्रधान सोमबीर पांचाल, कोच जगमेंद्र पांचाल, अतर सिंह, श्रीभगवान, राकेश, दलबीर, रामकुमार, राजेंद्र आदि मौजूद रहे।

राजकीय विद्यालय सेहरी में आयोजित भारतीय भाषा समर कैंप का समापन

खरखौदा । राजकीय माध्यमिक विद्यालय सेहरी में भारतीय भाषा समर कैंप का सातवां दिन रविवार को सम्पन्न हुआ। जिसमें पारंपरिक खेल-खेले गए बच्चों का प्रतिभा प्रदर्शन करवाया गया प्रेरणादायक बातें साझा की गई। स्कूल के मुख्य अध्यापिका बबली देवी ने सभी भाग लेने वाले बच्चों को प्रमाण पत्र वितरित किए और सामूहिक फोटो लिया। भारतीय भाषा समर कैंप में अध्यापकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। जिसमें मुख्यतः मनोज कुमार संस्कृत अध्यापक, रमेश एस एस मास्टर, अंजू भौरिया कला ध्यापिका, मोनिका साइंस अध्यापिका, सुभाष पीटीआई व आशा क्लर्क के नाम शामिल हैं।

मिलन समारोह में भाईचारे का आह्वान

- सेक्टर-7 में निर्माणाधीन जाट भवन में कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

सेक्टर-7 में निर्माणाधीन जाट भवन में रविवार को भाईचारा मिलन समारोह आयोजित किया गया। समारोह का मूल उद्देश्य आपसी मनमुटाव दूर करते हुए जाट भवन की निर्माण प्रक्रिया को शीघ्र शुरू करवाना रहा। सम्मेलन में क्षेत्र के विभिन्न गांवों के सरपंचों व पंचों व ग्रामीणों ने प्रतिभागिता करके आपसी भाईचारे की एकजुटता का परिचय दिया।

भाईचारा मिल समारोह की अध्यक्षता संजय दूहन ने की। संयोजन मंडल में आढ़ती एसो. के अध्यक्ष संदीप मलिक, डॉ. कपूर सिंह नरवाल, सरपंच समुंद्र सिंह, गांव भैंसवाल कलां के सरपंच संदीप मलिक, पहलवान मिंटू पन्नू और जितेंद्र मोर शामिल रहे। विभिन्न गांवों के सरपंचों में गांव चिड़ाना से संदीप लठवाल, गांव खेड़ी दमकन के सरपंच संजय देशवाल, गांव खानपुर कलां के सरपंच दिलावर सिंह, गांव मुंडलाना से शिव नारायण, गांव जागसी से रमेश कुमार, गांव बुसाना से पालू, गांव महमूदपुर से विक्की चहल और गांव बिचपड़ी से जस्सा सहित अन्य गांवों के सरपंच व जिला पार्षद मौजूद रहे।

गोहाना। सम्मेलन को संबोधित करते हुए संजय दूहन। फोटो : हरिभूमि

राहगीरों को मीठा पानी पिलाकर प्यास बुझाई

गोहाना। एनिमल क्योर क्लब हरियाणा द्वारा हर वर्ष ज्येष्ठ मास में मीठे पानी की छबील लगाई जाती है। क्लब द्वारा इस बार भी गोहाना में रोहतक मार्ग पर अपनी इस वार्षिक सेवा में कच्चे दूध की लस्सी पिलाकर राहगीरों की प्यास बुझाई। एनिमल क्योर क्लब समाजसेवा को समर्पित गोहाना की एक प्रसिद्ध संस्था है। यह संस्था पर्यावरण संरक्षण के साथ गर्मी के मौसम में पंछियों के लिए घौंसले और पानी की व्यवस्था के साथ लोगों की प्यास बुझाने के लिए छबील लगाने का काम करती है। इस बार क्लब द्वारा छबील की सेवा पंछी संरक्षण अभियान के तहत की गई। क्लब के सदस्यों में मोहित, विरेन्द्र, सन्नी, दीपक वशिष्ठ, शिवम, अंकुर, यश, अंकित, मोंटी, उमेश, विशाल और दीपक सेन ने छबील पर लोगों को कच्चे दूध की लस्सी पिलाकर प्यास बुझाई और उनको पंछियों के घौंसले व पानी के डोंगे वितरित किए।

स्वस्थ शरीर के लिए योग करना व अच्छा खानपान जरूरी : दांगी

गोहाना। रविवार को सेक्टर-7 स्थित महर्षि दयानंद सरस्वती पार्क में विश्व खाद्य दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में लोगों को अच्छे स्वास्थ्य के लिए खानपान के साथ योग का महत्व समझाया गया। मुख्य वक्ता योग शिक्षक आजाद सिंह दांगी ने कहा योग और खानपान एक दूसरे के पूरक हैं। योग से शरीर में प्राण ऊर्जा बढ़ती है और अगर भोजन से शरीर को सही पोषण न मिले तो यह ऊर्जा टिकती नहीं है। अकेला योग या अकेला खानपान शरीर को पूरा फायदा नहीं देता। दोनों मिलें तो शरीर मन और ऊर्जा तीनों संतुलित रहते हैं। योग क्रिया सत्कर्म और आसन शरीर से विष को बाहर निकालते हैं लेकिन अगर आप रोजाना बाहर का तला हुआ और गलत खानपान खाओगे तो शरीर फिर से विषाक्त हो जाएगा। दांगी ने कहा कि योग आपको ऊर्जा देता है जबकि सही पोषण उसे ऊर्जा को सही दिशा देता है अपने आहार में मौसमी फल और हरी सब्जियों को शामिल करें और रिफाइंड उत्पादों की जगह फाइबर से भरपूर साबुत अनाज का चुनाव करें। इस मौके पर सुरेश पंवार, सुभाष वर्मा, धर्मपाल आर्य, सुरेश विमान व रितिक दांगी उपस्थित रहे।

रेलवे रोड स्थित आश्रम में संत निरंकारी मिशन, जिला शाखा ने किया निरंकारी बाल समागम का आयोजन

बच्चों को संस्कार और सेवा के मूल्यों को अपनाने की दी प्रेरणा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

रेलवे रोड स्थित भवन में संत निरंकारी मिशन, जिला शाखा की ओर से निरंकारी बाल समागम का आयोजन किया गया। जिसमें 5 से 16 वर्ष की आयु के 70 से अधिक बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों ने भक्ति गीतों, भाषणों, लघु नाटिकाओं एवं कविताओं के माध्यम से मानवता, प्रेम और निस्वार्थ सेवा का संदेश दिया। निरंकारी सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज की शिक्षाओं को सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया। समागम की अध्यक्षता भिवानी के क्षेत्रीय संचालक विजय शर्मा ने की। जिसमें राई, कुंडली, गन्नौर, बरोदा, गोहाना, नाहरा-नाहरी सहित जिलेभर के बच्चों ने भाग लिया। मंच से सतगुरु का आशीर्वाद प्रदान करते हुए विजय शर्मा ने कहा कि आज के बच्चे ही कल का भविष्य हैं। आने वाले समय में यही बच्चे अपने प्रेम, संस्कारों, श्रेष्ठ कर्मों के माध्यम से संत निरंकारी मिशन का नाम समाज में गौरवान्वित करेंगे। बच्चों के माता-पिता की ओर से उनमें जो सेवा भावना, उत्तम संस्कार विकसित किए जा रहे हैं, वह उनके जीवन को सफल बनाएंगे, समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेंगे। उन्होंने बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ अपने माता-पिता की सेवा करने, उनके आदेशों एवं शिक्षाओं का पालन करने के लिए भी प्रेरित किया। बता दें कि संत निरंकारी मिशन प्रत्येक वर्ष ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान भारत एवं विदेशों में स्थित सभी शाखाओं में बाल समागम आयोजित करता है। इन समागमों का उद्देश्य बच्चों में आध्यात्मिक मूल्यों, नैतिक संस्कारों एवं आत्मविश्वास का विकास करना है, ताकि वह मिशन की शिक्षाओं से जुड़कर एक श्रेष्ठ इंसान के रूप में समाज में अपना सकारात्मक योगदान दे सकें।

सोनीपत। रेलवे रोड स्थित संत निरंकारी भवन में आयोजित बाल समागम में प्रस्तुति देते बच्चे। फोटो : हरिभूमि

सोनीपत। रेलवे रोड स्थित संत निरंकारी भवन में आयोजित बाल समागम में मौजूद श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

1500 से अधिक श्रद्धालु रहे मौजूद

समागम में करीब 1500 से अधिक श्रद्धालुओं की उपस्थिति में बच्चों की ओर से प्रदर्शित आत्मविश्वास, रचनात्मकता एवं आध्यात्मिक समझ की सभी ने भरपूर सराहना की। विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से बच्चों ने माता-पिता के सम्मान, निस्वार्थ सेवा, सकारात्मक सोच, प्रभु स्मरण, तकनीक के संतुलित उपयोग, आपसी प्रेम और भाईचारे जैसे महत्वपूर्ण संदेश दिए। सोनीपत शाखा के सेवादल एवं अधिकारियों ने कार्यक्रम को सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न कराने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। समागम के पश्चात श्रद्धालुओं के लिए लंगर लगाया गया।

खबर संक्षेप

शिविर में एकत्रित हुआ 42 यूनिट रक्त

खरखौदा। मटिंडू बाईपास चौक के समीप हवन यज्ञ के साथ पांचवा विशाल भंडारा व रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। बिजेंद्र जांगड़ा के अनुसार शिविर में 42 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन सैनी समाज द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि वर्णित आयोजन कार्यक्रम प्रति वर्ष किया जाता है।

40वें मेगा स्वास्थ्य शिविर में 252 मरीजों की जांच

सोनीपत। सेफ इंडिया फाउंडेशन, अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन (जिला, महिला एवं युवा इकाई), श्री श्याम बालाजी सेवा मंडल, रोटरी क्लब ऑफ सोनीपत एक्सीलेंस, कृष्णा देवी श्याम मिष्ठान भंडार, श्री खाटू श्याम मंदिर ट्रस्ट एवं सोनीपत धाम के संयुक्त तत्वावधान में मोहन नगर स्थित खाटू श्याम मंदिर सोनीपत धाम में 40वां मेगा स्वास्थ्य जांच एवं रक्तदान शिविर लगाया गया। शिविर में 252 मरीजों ने स्वास्थ्य जांच करवाई, जबकि 19 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया।

संगठन ने आंवला, चांदनी और अर्जुन के 27 पौधे रोपे

गोहाना। समाज कल्याण संगठन द्वारा रविवार को शहर के पुराने बस अड्डे पर महावीर चौक से लेकर छोटूराम चौक तक सडक़ के डिवाइडर पर पौधे रोपे। संगठन द्वारा पौधारोपण अपने गोहाना को ग्रीन सिटी साप्ताहिक अभियान के तहत किया गया जिसमें आंवला, चांदनी और अर्जुन के 27 पौधे रोपे गए।

अर्जुन द्वार पर गीता का संदेश देंगे भगवान श्रीकृष्ण

युधिष्ठिर द्वार धर्म की नीति पर चलने की दिखाएगा राह

महाभारतकालीन यादों को ताजा करेंगे शहर के पांडव द्वार, श्रवण द्वार के निर्माण की भी उठी मांग

- *युद्धिष्ठिर, भीम, अर्जुन, सहदेव और नकुल के नाम के भव्य स्वागत द्वारों से सज रही पांडव नगरी*
- *निगम की ओर से करीब 4.55 करोड़ रुपये की राशि से करवाया जा रहा पांडवों के प्रवेश द्वार का निर्माण*

सिटी पल्स

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

शहर में निर्माणाधीन पांच पांडवों के नाम से स्वागत द्वार जल्द महाभारतकालीन यादों को ताजा करते नजर आएंगे। पांडव नगरी को युद्धिष्ठिर, भीम, अर्जुन, सहदेव और नकुल के नाम के भव्य स्वागत द्वारों से सजाने का काम जोरों पर है। महाभारतकालीन यादों को जीवंत रखने के लिए नगर निगम की ओर से मुख्य मार्गों पर 5 पांडवों के नाम में इन द्वार का निर्माण करवाने का निर्णय लिया गया है। हालांकि इनमें महाराज युद्धिष्ठिर व सहदेव द्वार बनकर तैयार हो चुके हैं, जबकि तीन अन्य पांडवों के द्वार का निर्माण इसी वर्ष के अंत तक पूरा करने की योजना पर काम चल रहा है। नगर निगम की ओर से इस कार्य पर करीब 4.55 करोड़ रुपये की राशि खर्च की जा रही है। मुरथल रोड पर शहर के प्रवेश मात्र द्वार अकेले युधिष्ठिर द्वार पर निगम ने करीब 93.53 लाख रुपये की राशि खर्च की है।

बता दें कि नगर निगम ने वर्ष 2025 की शुरुआत में शहर में प्रमुख मार्गों को पांडव द्वार के नाम से विख्यात करने की योजना तैयार की थी। योजना को जल्द अमलीजामा पहनाने के लिए मुरथल रोड पर अक्तूबर 2025 में युधिष्ठिर द्वार का निर्माण पूरा करवाया था। शहर के इस मुख्य प्रवेश द्वार की सुंदरता को चार चांद लगाने के लिए स्वागत द्वार पर लाइटिंग व्यवस्था के साथ सजावट के लिए वेस्ट मैटिरियल से स्मृतियां भी बनवाई गई हैं। द्वार के एक ओर मछलियां, तो दूसरी ओर पक्षी की स्मृतियां युधिष्ठिर द्वार की शोभा बढ़ा रही हैं। गोहाना रोड पर सहदेव द्वार का निर्माण पूरा कर लिया गया है। नरेला रोड पर नकुल द्वार बनाया जा रहा है। वहीं निगम ने वर्ष 2026 के अंदर तीन शेष पांडवों के नाम से भी स्वागत द्वार का निर्माण पूरा करवाने का निर्णय लिया है। इसके अलावा रोहतक रोड पर भीम द्वार, बहालगढ़ रोड पर अर्जुन के नाम से स्वागत द्वार बनाने की योजना तैयार है।

भीम द्वार पर दुर्योधन की जांघ पर होगा गदा का प्रहार

अधिकारियों की मानें तो शहर में पांडवों के नाम से बनवाए जा रहे स्वागत द्वार में अर्जुन और भीम के नाम से बनाए जाने वाले स्वागत द्वार आकर्षक व भव्य होंगे। बहालगढ़ रोड पर बनने वाले द्वार में भगवान श्रीकृष्ण रथ पर सवार होकर अर्जुन को गीता का संदेश देते नजर आएंगे। वहीं रोहतक रोड पर बनने वाले द्वार पर बलशाली पांडव भीम दुर्योधन की जांघ पर अपनी गदे से प्रहार करते हुए नजर आएंगे। साथ ही महाराज युधिष्ठिर द्वार धर्म की नीति पर चलने का संदेश देगा। नकुल व सहदेव गेट के माध्यम से जीवन उपयोगी संदेशों को दर्शाया जाएगा।

युवा पीढ़ी में जागरूकता के लिए बने श्रवण द्वार

शहर के मुख्य मार्गों पर पांडवों के नाम पर बनवाए जा रहे प्रवेश द्वार का लेआउट मुरथल स्थित दीनबंधु छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की टीम से बनवाया गया है। विवि की टीम ने पांडवों के द्वार के डिजाइन तैयार करने में अपनी पूरी भूमिका अदा की है। वहीं कुछ शहरवासियों की मांग है कि शहर को प्राचीनता से जोड़ने के लिए प्रशासन को श्रवण कुमार के नाम से भी एक प्रवेश द्वार का निर्माण करवाना चाहिए। श्रवण कुमार मुख्यतः देश में माता-पिता की सेवा के लिए जाने जाते हैं। इससे आने वाली युवा पीढ़ी को एक प्रेरणा और मिल सकेगी।

युवा भूल रहे संस्कृति

युवा पीढ़ी धीरे-धीरे अपनी प्राचीन संस्कृति को भूलने लगी है। शहर में निर्माणाधीन पांच पांडवों के द्वार निर्माण से लोगों का अपनी प्राचीन संस्कृति एवं सभ्यता से जुड़ाव होगा। खासकर युवा पीढ़ी को महाभारतकालीन युग से सीधे तौर पर जोड़ा जा सकेगा।

-गौरव कुमार, शहरवासी

श्रवण द्वार की मांग

प्रशासन ने शहर में पांडवों के प्रवेश द्वार बनवाकर सराहनीय कदम उठा है, लेकिन उच्च अधिकारी भूल रहे हैं कि श्रवण कुमार ने भी सच्ची संतान का धर्म निभाते हुए एक अनूठी मिसाल पेश की थी। ऐसे में श्रवण कुमार के नाम पर भी एक प्रवेश द्वार का निर्माण करवाएं।

-डॉ. मोहित गोयल, शहरवासी

तीन द्वार शेष

नगर निगम ने शहर के मुख्य मार्गों पर इस साल के अंदर पांच पांडव द्वार का निर्माण पूरा करने का निर्णय लिया है। निर्माण होने के बाद सभी द्वार पांडवों की मुख्य भूमिका से लोगों में जागरूकता लाने का प्रयास करेंगे। दो पांडव द्वार का निर्माण पूरा हो चुका है, जबकि शेष पांडवों के नाम से द्वार का कार्य जल्द पूरा करवाने की योजना है।

-अजय निराला, कार्यकारी अभियंता, नगर निगम, सोनीपत

गांव की सुख-समृद्धि के लिए हुआ हवन-यज्ञ व भंडारा

गन्नौर। जींद के एसपी कुलदीप सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी रेखा सिंह, प्रवीन त्यागी पूजा अर्चना करते हुए।

- पूर्व सांसद जितेंद्र मलिक, जींद के एसपी कुलदीप सिंह, वीरेंद्र कादियान ने की शिरकत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

गांव शाहपुर तगा स्थित बाबा मोहनदास की समाधि स्थल पर रविवार को क्षेत्र की सुख-शांति, समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना को लेकर धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन गांव के समाजसेवी प्रवीन त्यागी द्वारा हवन यज्ञ, भजन-कीर्तन एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें गणमान्य लोगों के अलावा बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच हवन यज्ञ से हुआ। यज्ञ में पूर्व सांसद जितेंद्र मलिक, जींद के एसपी कुलदीप सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी रेखा सिंह, विधायक देवेंद्र कादियान के भाई वीरेंद्र कादियान, गांव के सरपंच सुंदर, त्यागी समाज हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष पुनीत त्यागी, एडवोकेट बलिस्टर त्यागी, अभिनव सहित अनेक गणमान्य लोगों ने आहुति डाली।

बाबा मोहनदास तपोभूमि पर एकता का संदेश दिया

पूर्व सांसद जितेंद्र मलिक ने कहा कि बाबा मोहनदास की तपोभूमि पर आयोजित ऐसे धार्मिक कार्यक्रम समाज में प्रेम, सद्भाव और सामाजिक एकता को मजबूत करने का कार्य करते हैं। जींद के पुलिस अधीक्षक (एसपी) कुलदीप सिंह ने बाबा मोहनदास के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए क्षेत्रवासियों की खुशहाली की कामना करते हुए कहा कि धार्मिक और सामाजिक आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति, परंपराओं और आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़ने के लिए ऐसे आयोजनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। आयोजन को सफल बनाने में रामकरण, कविता त्यागी, खुशी त्यागी, वंश, आकाश, विवेक तथा सोनू हलवाई सहित अनेक लोगों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं।आयोजक प्रवीण त्यागी ने सभी अतिथियों, ग्रामीणों का आभार व्यक्त किया।

योग देता है तनाव से मुक्ति व अच्छा स्वास्थ्य : मीनाक्षी

- राजकीय महिला महाविद्यालय गोहाना में दो दिवसीय योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गोहाना। योग क्रियाओं का अभ्यास करते हुए साधक। *फोटो : हरिभूमि*

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में राजकीय महिला महाविद्यालय गोहाना में शनिवार को दो दिवसीय योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का आयोजन उच्चतर शिक्षा विभाग एवं हरियाणा योग आयोग के निर्देशन में महाविद्यालय के योग क्लब द्वारा किया गया। अध्यक्षता प्राचार्या डॉ. मीनाक्षी सांगवान ने की। उन्होंने इस वर्ष की थीम 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य' के महत्व पर प्रकाश डाला।

प्राचार्या ने कहा कि नियमित योगाभ्यास से व्यक्ति शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रह सकता है तथा तनावमुक्त जीवन जी सकता है। उन्होंने छात्राओं को अपनी दैनिक दिनचर्या में योग को शामिल करने के लिए प्रेरित किया।

योगाचार्या प्रोमिला ने छात्राओं को कॉमन योग प्रोटोकॉल के अंतर्गत प्रार्थना, ताड़ासन, वृक्षासन, पादहस्तासन, अर्धचक्रासन, उत्तानपादासन, गोमुखासन और शशांकासन का अभ्यास करवाया। प्रशिक्षण शिविर में 180 छात्राओं ने भाग लिया। योग क्लब के संयोजक देवेंद्र ने बताया कि प्रशिक्षण का दूसरा चरण 8 जून को आयोजित किया जाएगा। इसके बाद छात्राएं 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में स्वयंसेवक के रूप में अपनी सेवाएं देंगी। प्रतिभागियों को प्रशिक्षण सामग्री एवं प्रमाण पत्र भी प्रदान किए जाएंगे।

खरखौदा। दानदाता जय सिंह दहिया का आभार जताते ग्रामीण

रोहट में 122 वर्ष पुरानी सदाव्रत परंपरा के पुनर्निर्माण हेतु बढ़ रहा जनसहयोग

खरखौदा। उपमंडल के गांव रोहट में लगभग 122 वर्ष पुरानी सदाव्रत परंपरा के पुनर्निर्माण के लिए ग्रामीणों का सहयोग लगातार बढ़ता जा रहा है। मंजीत दहिया के अनुसार बाबा कूड़े नाथ तथा दादा भीमा भगत के सहयोग से वर्ष 1904 में राहगीरों के लिए 24 घंटे भोजन और विश्राम की व्यवस्था उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सदाव्रत की स्थापना की गई थी। तब से यह सेवा परंपरा क्षेत्र के लोगों की आस्था और समाजसेवा का प्रमुख केंद्र बनी हुई है। अब सदाव्रत के पुनर्निर्माण कार्य को लेकर ग्रामीण बढ़-चढ़कर आर्थिक सहयोग दे रहे हैं। समिति के सदस्यों के अनुसार अब तक एक करोड़ रुपये से अधिक की दानराशि एकत्रित की जा चुकी है, जिससे निर्माण कार्य को गति मिल रही है। इसी क्रम में आयोजित कार्यक्रम में भीमा भगत के पड़पौत्र जय सिंह दहिया ने सदाव्रत पुनर्निर्माण के लिए 7 लाख 43 हजार रुपये की राशि दान स्वरूप भेंट की। दानदाताओं के इस योगदान की उपस्थित लोगों ने सराहना करते हुए इसे समाजहित में प्रेरणादायक कदम बताया।

व्यावसायिक विकास एवं नवीन शिक्षण पद्धतियों के दिए टिप्स

- दून पब्लिक स्कूल, गोहाना में शिक्षकों के लिए सीबीपी कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गोहाना। कार्यशाला में प्रशिक्षकों के साथ दून स्कूल के शिक्षक।

दून पब्लिक स्कूल, गोहाना में शिक्षकों के व्यावसायिक विकास एवं नवीन शिक्षण पद्धतियों के संवर्धन हेतु सीबीपी (कैपिसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम) का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विषयों के शिक्षकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती ज्योति छाबड़ा एवं विशिष्ट प्रशिक्षिकाओं डॉ. किरण दलाल और तन्नू हांडा द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। प्रशिक्षण सत्र के दौरान विशेषज्ञों द्वारा हैप्पी कलास रूम की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। प्रतिभागी शिक्षकों ने विभिन्न गतिविधियों, समूह चर्चाओं एवं कार्यशालाओं में भाग लेकर अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षकों को प्रभावी एवं नवाचारपूर्ण शिक्षण विधियों को अपनाने की प्रेरणा मिली, जिससे विद्यार्थियों के सीखने की प्रक्रिया को और अधिक रोचक एवं परिणामदायी बनाया जा सकेगा। विद्यालय प्रबंधन ने इस आयोजन को शिक्षकों के लिए अत्यंत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताया। सीबीपी कार्यक्रम शिक्षकों के व्यावसायिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं सफल पहल सिद्ध हुआ। स्कूल प्रबंधन ने भविष्य में भी ऐसी कार्यशालाएं करवाने का आश्वासन दिया।

विभिन्न मांगों को लेकर ड्राइवर कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन, प्रबंधन को सौंपा मांग पत्र

गन्नौर। भारतीय कंटेनर निगम लिमिटेड के गेट नंबर-2 पर रविवार को पीसीएस कंपनी में कार्यरत ड्राइवर कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न मांगों और समस्याओं को लेकर चालक सतीश के नेतृत्व में प्रदर्शन किया । जिसके बाद कर्मचारियों ने कंपनी प्रबंधन के नाम मांग पत्र सौंपा। ड्राइवर कर्मचारियों ने कहा कि वे लंबे समय तक कठिन परिस्थितियों में सड़क पर ड्यूटी करते हैं तथा विभिन्न जोखिमों का सामना करते हुए कंपनी का कार्य पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ निभा रहे हैं। इसके बावजूद उन्हें अपेक्षित सुविधाएं और उचित वेतन नहीं मिल रहा है। मांग पत्र में कर्मचारियों ने न्यूनतम मासिक वेतन 21 हजार रुपये निर्धारित करने तथा प्रतिदिन 400 रुपये भोजन भत्ता देने की मांग उठाई। इसके अलावा सभी ड्राइवर कर्मचारियों को ईएसआई और पीएफ की सुविधा उपलब्ध कराने, प्रत्येक कर्मचारी को नियुक्ति पत्र जारी करने तथा श्रम कानूनों के अनुसार अन्य आवश्यक सुविधाएं और सुरक्षा लाभ सुनिश्चित करने की मांग भी रखी गई।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 9653530209, 9253681005, 9253681010

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

यात्रियों को रेल दुर्घटनाओं से बचाव बारे जागरूक किया

गोहाना। रेल यात्रियों को जागरूक करते हुए एसआई बलवान सिंह। *फोटो : हरिभूमि*

गोहाना। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) द्वारा रेलवे स्टेशन पर जागरूकता अभियान के तहत यात्रियों को रेलगाड़ी में यात्रा के दौरान होने वाली दुर्घटनाओं से बचाव बारे जागरूक किया गया। जीआरपी चौकी गोहाना के इंचार्ज एसआई बलवान सिंह ने यात्रियों को जागरूक करते हुए कहा कि वे चलती गाड़ी में न तो चढ़ें और ही उतरें। चलती गाड़ी में चढने व उतरने से पायदान से पैर फिसलने व संतुलन खो जाने से हादसे का खतरा रहता है। जब गाड़ी स्टेशन पर खड़ी हो तभी उसमें चढ़ें व उतरें। उन्होंने कहा कि कुछ यात्री खिड़की में खड़े होकर यात्रा करते हैं जो कदापि उचित नहीं है।

नाला निर्माण को भंडारा लगाकर जुटाया चंदा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

गढ़ी केसरी स्थित श्री कृष्ण प्रणामी गोशाला मंदिर कालोनी की गली में पिछले करीब एक माह से भरे गंदे पानी और नाला निर्माण की समस्या का समाधान नहीं होने पर अब स्थानीय लोग स्वयं आगे आ गए हैं। प्रशासन और संबंधित विभागों की ओर से कार्रवाई न होने से नाराज गलीवासियों व गौ भक्तों ने रविवार को भंडारे का आयोजन कर नाला व गली निर्माण के लिए चंदा एकत्र करने का अभियान शुरू किया। स्थानीय लोगों ने बताया कि पहले भी नगर पालिका और जनस्वास्थ्य विभाग को कई बार शिकायतें दी गईं, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। ऐसे में क्षेत्रवासियों ने आपसी सहयोग से समाधान निकालने का निर्णय लिया है। भंडारे के दौरान लोगों से स्वेच्छा से आर्थिक सहयोग देने की अपील की गई, जिसे लोगों का अच्छा समर्थन मिला। आयोजकों के अनुसार कई नगर

गन्नौर। गंदे पानी और नाला निर्माण के लिए चंदा एकत्रित करते गोशाला कमेटी के प्रधान सतपाल शर्मा।

पालिका पार्षदों ने एक माह का अपना मानदेय देने की घोषणा की है, जबकि तीन सेवानिवृत्त फौजियों ने भी एक माह की पेंशन के बराबर राशि देने का संकल्प लिया है। इसके अलावा गलीवासी और गौ भक्त भी नकद सहयोग देने के लिए आगे आए हैं। गोशाला समिति और स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि विभाग समस्या का समाधान नहीं कर पा रहे हैं तो क्षेत्रवासी स्वयं सहयोग जुटाकर गली और नाले के निर्माण का कार्य करवाने का प्रयास करेंगे।

राज्यसभा प्रत्याशी बनाए जाने पर डॉ. सतीश पूनिया को दी बधाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात के सोनीपत लोकसभा संयोजक आजाद सिंह नेहरा ने जयपुर प्रवास के दौरान राजस्थान भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं हरियाणा भाजपा के प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया से मुलाकात कर उन्हें राज्यसभा सदस्य के लिए भाजपा द्वारा प्रत्याशी बनाए जाने पर बधाई दी। आजाद सिंह नेहरा ने कहा कि डॉ. सतीश पूनिया ने संगठन में मिली प्रत्येक जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा, समर्पण और मेहनत के साथ निभाया है। उन्होंने हमेशा कार्यकर्ताओं को स्नेहपूर्वक मार्गदर्शन देकर

गन्नौर। लोकसभा संयोजक आजाद सिंह नेहरा हरियाणा भाजपा के प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया को बधाई देते हुए।

संगठनात्मक कार्यों के लिए प्रेरित किया है। नेहरा ने विश्वास व्यक्त किया कि राज्यसभा में पहुंचकर डॉ. पूनिया जनता और संगठन की आवाज को मजबूती से उठाने का कार्य करेंगे। इस मौके पर नेहरा खाप के राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्यनारायण नेहरा भी मौजूद थे।

37 लोगों ने किया रक्तदान, मेयर राजीव जैन ने सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर भी रखी राय

शादी की 28वीं सालगिरह पर रक्तदान शिविर, सेवा का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

राष्ट्रपति अवार्ड से सम्मानित शिक्षिका सुनीता ढुल ने अपनी शादी की 28वीं सालगिरह को खास अंदाज में मनाते हुए शहर में रक्तदान शिविर लगाया। मानव सेवा व रक्तदान के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से लगाए गए शिविर में 37 लोगों ने रक्तदान किया। मुख्य अतिथि के रूप में नगर निगम मेयर राजीव जैन ने शिरकत की। उन्होंने रक्तदाताओं का उत्साह बढ़ाते हुए रक्तदान को जीवनदान बताया। वहीं पत्रकारों से बातचीत में मेयर राजीव जैन ने विभिन्न राजनीतिक व सामाजिक मुद्दों पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी।

मेयर राजीव जैन ने बताया कि जहां लोग सालगिरह पर होटल व ढाबों में पार्टियां करते नजर आते हैं, वहीं शिक्षिका सुनीता ढुल ने अपनी शादी की 28वीं सालगिरह पर रक्तदान शिविर लगाकर मानवता का संदेश दिया। उन्होंने इस खास अवसर पर लोगों में मानवता की सेवा व रक्तदान के प्रति जागरूक लाने का प्रयास किया, जो सराहनीय है। मेयर ने रक्तदाताओं का उत्साह बढ़ाते हुए रक्तदान को जीवनदान बताया। उन्होंने कहा कि एक यूनिट रक्त कई लोगों की जान बचाने में मददगार साबित हो सकता है, प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान करना चाहिए।

अचानक पैदा होने वाले राजनीतिक दल का भविष्य व समय कम : राजीव जैन

पत्रकारों से बातचीत में मेयर राजीव जैन ने नीट पेपर लीक, कॉकरोच जनता पार्टी, कांग्रेस व एसआईआर जैसे मुद्दों पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी। दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक मामले को लेकर हुए प्रदर्शन पर उन्होंने बताया कि देश में हजारों राजनीतिक दल हैं, लेकिन जो दल अचानक पैदा होते हैं, उनका राजनीतिक भविष्य अधिक समय तक नहीं रहता। नीट पेपर लीक मामले में केंद्र व राज्य सरकारों ने दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की है। वहीं उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस को अपने शासनकाल को याद करना चाहिए, जब नौकरियों में क्षेत्रवाद और पक्षपात के आरोप लगते थे। एसआईआर को लेकर उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया का उद्देश्य मतदाता सूची से फर्जी मतदाताओं के नाम हटाकर चुनाव प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी बनाना है।